1

Paper - II

Social Psychology

Jai Ram Singh.
Deptt of Psychology
Mahila College Dalmianagar
Dehri

नेतृत्व के शीलगुण

TRAITS OF LEADERSHIP

नेतृत्व के सम्बन्ध में एक समस्या यह है कि क्या नेता में कुछ विशिष्ट शीलगुण पाये जाते है इस सम्बन्ध में किये गये अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि समान परिस्थिति में कुछ विशेष शीलगुणों वाले सदस्य को नेता के रूप में उभरने की अधिक सम्भावना होती है। विद्वानों के द्वारा किये गये अध्ययनों के आधार पर हम कह सकते है कि नेता के कुछ मुख्य शील गुण होते है जिनमें मुख्य निम्नलिखित है।

(1) **शारीरिक शीलगुण** → नेता में कुछ शारीरिक शीलगुण होते है जिनके आधार पर कोई भी व्यक्ति आसानी से नेता के रूप में पहचान लेता है। विभिन्न विद्वानों ने अपने अध्ययनों के आधार पर बताया है कि ऊँचाई, वजन, स्फूर्ति एवं अच्छा स्वास्थ्य नेता के तीन प्रमुख शारीरिक गुण होते है। नेताओं की ऊँचाई सामान्य रूप से अधिक होती है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि लम्बा-लम्बा सदस्य की नेता की भरकार भी आगे-आगे होती है BROWN, 1977 ने इस सम्बन्ध में बताया है कि नेतृत्व के लिए

शारीरिक आकार, ऊँचाई, तथा वजन के अपेक्षा शारीरिक सहनशक्ति तथा कार्यशक्ति अधिक महत्वपूर्ण शीलगुण है।

(2) व्यक्तित्व शीलगुण → नेता में कई प्रकार के व्यक्तित्व से सम्बन्धित शीलगुण पाये जाते हैं जिसमें प्रमुख शीलगुण निम्न लिखित हैं

(i) बुद्धि - बुद्धि एक प्रमुख शीलगुण है किसी भी समूह का नेता अपने अनुयायियों की तुलना में अधिक बुद्धिमान होता है। समाज मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों के आधार पर बतलाया है कि विभिन्न समूहों के नेता अधिक अनुयायियों से अधिक बुद्धिमान होते हैं। अतः नेतृत्व तथा बुद्धि के बीच अधिक उच्च स्तर-सम्बन्ध नहीं पाया जाता है। GIBB 1969, MAN 1959, STOGDILL 1948, इत्यादि।

(ii) आत्मविश्वास — नेता का दूसरा प्रमुख शीलगुण आत्मविश्वास है। नेता अपने अनुयायियों का पथ प्रदर्शक होता है। यह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करते रहता है इस सम्बन्ध में Stogdill तथा Man ने अपने अध्ययनों के आधार पर बतलाया है कि नेतृत्व तथा आत्मविश्वास सार्थक रूप-

से सहसम्बन्धित होते हैं।

(iii) **शाब्दाडम्बर** → नेता का एक मुख्य Trait शाब्दाडम्बर है जिसका तात्पर्य अधिक बोलने की आदत से है। McGrath & Julian 1964 ने अनेक अध्ययनों के आधार पर बतलाया है कि समूह का सबसे अधिक बोलने वाला सदस्य को नेता के रूप में देखा जाता है।

(iv) **प्रभुत्व** → प्रभुत्व नेता का एक मुख्य शीलगुण है। कोई भी व्यक्ति अपनी प्रभुत्व आवश्यकता की संतुष्टि के लिए नेता बनने का प्रयास करता है। Haxwell 1969 ने अपने अध्ययनों के आधार पर बतलाया है कि अनुयायियों की अपेक्षा नेता में प्रभुता का शीलगुण अधिक ... सबल था।

(v) **समायोजन** → नेता में सामंजस्य या समायोजन का गुण होता है। किसी भी समूह का नेतृत्व करने में यह स्वाभाविक है कि नेता को कठिन से कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है तथा समायोजन के लिए संघर्ष करना पड़ता है। अतः ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए यह आवश्यक है कि नेता में समायोजन का शीलगुण हो।

(vi) **सामाजिकता** → सामाजिकता नेता का एक

प्रमुख शीलगुण है जो नेता सामान्य से उत्कृष्ट होते है वे सामाजिक अभूतपूर्व एवं मित्रता पसन्द करते है। उनमें अपने अनुयायियों से मिलने तथा उनके विचारों एवं मनोवृत्तियों को समझने की तीव्र प्रवृत्ति होती है इस सम्बन्ध में विद्वानों का कहना है कि जब नेता में सामाजिकता का शीलगुण होता है तो नेता में और अनुयायियों में पारस्परिक सम्बन्ध अधिक घनिष्ठ एवं दृढ़ होता है और उनके नेतृत्व की सफलता चरम कोटि पर होती है

(vi) परिश्रमप्रियता → किसी भी नेता को परिश्रमप्रिय होना अति आवश्यक है। जब समूह का कोई सदस्य परिश्रम से दूर भागना चाहता है तो वह एक सफल नेता नहीं बन सकता है अतः सफल नेता बनने के लिए परिश्रमप्रिय होना आवश्यक है

(vii) कल्पना एवं दूरदर्शिता → किसी भी नेता के लिए कल्पना शक्ति का अधिक होना जरूरी होता है। जिसके आधार पर वह आने वाली समस्याओं का अन्दाजा बड़ी आसानी से कर लेता है और फिर अपने व्यवहारों में परिवर्तन लाकर अपने समूह के सम्बन्ध में अपनी योजना तैयार करता है

classmate
Date
Page

कल्पना शक्ति के अलावा नेता में दूरदर्शिता का गुण होता है जिसके आधार पर नेता अपने अनुयायियों की प्रतिक्रियाओं को समझने में तथा समूह के बारे में पूर्व-कथन करने में उसे काफी मदद मिलती है।

नेता के Traits से सम्बन्धित उपरोक्त बातों के आधार पर हम कह सकते हैं कि नेता या नेतृत्व में अनेकों गुण पाये जाते हैं।